वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 211 | शनिवार 26 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रदेश में सर्दी ने तोड़ा 11 साल का रिकॉर्ड

अगले 48 घंटे के लिए तेज ठंड का अलर्ट; जमने लगी बर्फ

हाड़ौती अंचल के अलावा हिल स्टेशन माउंट आबू में भी पारा 2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया

जयपुर. कासं। राजस्थान में सर्दी रिकॉर्ड तोड़ने लगी है। रात का पारा लगातार गिरता जा रहा है। पत्तों पर ओस की बूंदें बर्फ बनने लगी हैं। साथ ही कई शहरों में कोहरा भी छाने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार अभी धीरे-धीरे सर्दी के तेवर और तेज होंगे। अगले 48 घंटे में पारा 2 डिग्री तक गिरने का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, बीती रात कई शहरों में न्यूनतम तापमान में गिरावट होने से यहां सर्दी और बढ़ गई। कोटा, बूंदी, बारां समेत कई शहरों में तापमान गिरकर 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। कोटा में बीती रात पिछले 11 साल में नवंबर की सबसे सर्द रात रही, जहां न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हाड़ौती (कोटा, बूंदी, झालावाड़ा, बारां) अंचल के अलावा हिल स्टेशन माउंट आबू में भी आज पारा 2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हालांकि, शेखावाटी के सीकर, चूरू में तापमान में बढ़ोतरी होने से लोगों को सर्दी से हल्की राहत मिली। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा और सर्द हवाओं का असर रहेगा, जिससे तापमान में गिरावट होने की संभावना है। जयपुर में शुक्रवार के मौसम की स्थिति देखें तो सुबह तेज सर्दी रही और यहां न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हालांकि, सुबह सूरज निकलने के साथ ही सर्दी का असर कम हो गया और तेज धूप निकलने लगी। जयपुर में लगातार दूसरे दिन भी रात का तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इसी तरह अलवर, पाली,

जोधपुर और टोंक में भी पिछले दो दिन से तापमान स्थिर बना हुआ है। वहीं, गंगानगर, धौलपुर, बाड़मेर, उदयपुर, सिरोही, डूंगरपुर, बारां में बीती रात न्यूनतम तापमान में कल के मुकाबले एक डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई।

कोटा में रिकॉर्ड तोड़ सर्दी

नवंबर के महीने में इस बार कोटा में रिकॉर्ड तोड़ सर्दी पड़ी है। यहां रात न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले कोटा साल 2020 में तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था, जो नवंबर का पिछले 11 साल में सबसे कम तापमान था। कोटा में 2012 से अब तक नवंबर में केवल 1 बार ही तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गया है। पिछले एक सप्ताह से लगातार शेखावाटी में गिर रहे तापमान पर शुक्रवार को ब्रेक लगा। चूरू, फतेहपुर, सीकर में आज तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हुआ, जिससे लोगों को सर्दी से मामूली राहत मिली। हालांकि सुबह-शाम अब भी तेज गलन भरी सर्दी ने वहां लोगों की धूजणी छूटा रखी है। खुले में रहने वाले लोगों के लिए यहां सुबह-शाम अलावा ही सर्दी से बचने का सहारा बने हुए है। सीकर में न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 8 पर पहुंच गया, जबकि चूरू में तापमान करीब एक डिग्री सेल्सियस बढ़कर 5 डिग्री पर आ गया।

मेयर सौम्या गुर्जर ने चौंकाया, गहलोत से मिलीं

पहले गहलोत के सामने रखी अपनी पूरी बात, फिर भेजा अपना जवाब

जयपुर. कासं। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर ने गुरुवार को सरकार को अपना जवाब पेश कर दिया है। उन्होंने डीएलबी डायरेक्टर को जवाब देने से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने अपनी पूरी बात रखी। इसके बाद देर शाम को लिखित जवाब डीएलबी डायरेक्टर को भिजवाया। जवाब देने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा- मैंने अपना सारा रिप्रजेंटेशन सीएम को दे दिया है। मुख्यमंत्री ने भी मेरी पूरी बात को सुना है। मुझे उम्मीद है कि न्याय मिलेगा। सौम्या के इस चौंकाने वाले कदम से अब कयास लगाए जा रहे हैं कि ये मामला ठंडे बस्ते में जा सकता है। राज्य सरकार सौम्या के

जवाब का अब कानूनी अध्ययन करवाएगी। कानूनी अध्ययन के बाद अगर सरकार को जवाब संतोषजनक लगेगा तो सौम्या को बरी भी किया जा सकता है। सूत्रों की माने तो इससे पहले सितम्बर में जब सौम्या को मेयर के पद से निलंबित किया था, तब इसका निर्णय UDH मंत्री शांति धारीवाल के स्तर पर किया गया था। इस बार इस मामले को मुख्यमंत्री के स्तर पर भिजवाने के कयास लगाए जा रहे थे। सरकार अगर सौम्या को दोबारा पद से बर्खास्त करती है तो सौम्या के पास दोबारा हाईकोर्ट जाने का विकल्प रहेगा। सौम्या की तरफ से इस मामले की राजस्थान हाईकोर्ट में पैरवी करने वाले अधिवक्ता महेन्द्र सारण की माने तो सरकार के किसी भी अंतिम निर्णय को ज्यूडिशरी रिव्यू करने का अधिकार हर किसी के पास है। फिर चाहे नगर पालिका अधिनियम में सरकार ने ये प्रावधान क्यों न कर रखा हो कि सरकार की ओर से एक बार पद से बर्खास्त करने के बाद कोर्ट में उसे चुनौती नहीं दे सकते।

12 नवंबर को मेयर पद दोबारा जॉइन किया था

आपको बता दें कि हाईकोर्ट के आदेशों के बाद सौम्या ने 12 नवंबर को मेयर पद दोबारा जॉइन किया था। उसी दिन राज्य सरकार ने उन्हें कारण बताओ नोटिस देते हुए 7 दिन में जवाब पेश करने का समय दिया था। 18 नवंबर को जब सौम्या अपना जवाब देने पहुंची तो उन्होंने सरकार से एक महीने का अतिरिक्त समय मांगा था, लेकिन सरकार ने एक महीने का समय न देकर एक सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया था, जो आज पूरा हो गया।

आचार्य श्री ने किया केश लोच

सबसे बड़ी व्यथा है, सीमित शब्द और असीमित भावनाएं: अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

कभी कभी शब्दों के रिश्ते भी बड़े अजीबो गरीब होते हैं, ऊंचा बोलने और धीमा सुनने से भी चटक जाते हैं। शब्द आपको खुश कर सकते हैं, मोह सकते हैं, आपकी खुशामद कर सकते हैं, उत्तेजित कर सकते हैं, नाराज कर सकते हैं, शान्त कर सकते हैं, आप से अपनी मर्जी का काम करवा सकते हैं, आपको भावुक कर सकते हैं। पराये को अपना और अपने को पराये कर सकते हैं। नया जीवन दे सकते हैं, जीना हराम कर सकते हैं, कोई राज छुपा सकते हैं और किसी का राज उजागर भी कर सकते हैं। शब्दों की मदद से, कोई भी काम करवा सकते हैं। हम शब्दों का उपयोग तो हर समय करते ही हैं लेकिन मनुष्यों की इस सबसे बड़ी शक्ति का सही और मौलिक उपयोग कम ही लोग कर पाते हैं। किसी ने छोटी सी बात कही और हम भभक जाते हैं, तुरन्त प्रतिक्रिया देना शुरू कर देते हैं। शब्दों के माध्यम से हम किसी के प्रिय तो किसी के अप्रिय बन सकते हैं। वाणी की प्रभावोत्पादकता हमारे शब्द चयन पर निर्भर करती है। शब्द किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व की, छवि बनाने और बिगाड़ने की सामर्थ्य भी रखते हैं। आज वही व्यक्ति सफल है जो मृदुभाषी हो, विनम्र हो, मिलनसार हो, वाणी-व्यवहार में श्रेष्ठ हो। इसलिए कबीर ने कहा - शब्द सम्हारे कर बोलिए, शब्द के हाथ ना पाव.. एक शब्द औषधि करे, एक करे मन घाव... !!!। आचार्य श्री ने आज केश लोच किया।

संकलन: नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

रक्तदान जीवनदान टीम बूंदी द्वारा शिविर मे 44 यूनिट रक्त संग्रहित किया

बूंदी. शाबाश इंडिया

रक्तदान जीवनदान टीम बूंदी के ब्लड डोनर नर्सिंग ऑफिसर रामलक्ष्मण मीणा ने स्वयं के जन्मदिन पर व रामेश्वर मीणा के मीणा समाज बूंदी के जिलाध्यक्ष बनने पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 44 यूनिट ब्लड संग्रहित हुआ। रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि पीएमओ साहब नरेश पाल सिंह व जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, सरपंच आनंदी लाल मीणा, पूर्व जिला अध्यक्ष मीणा समाज मनोज मीणा, रामनिवास मीणा एडवोकेट, मेघवान सिंह सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, गयासुद्दीन भट्टी, गीता राम मीणा, बलराज मीणा, चंदन शर्मा, हेमराज सैनी, परमानंद मीणा ओमप्रकाश मीणा सरपंच, हरीश मीणा, राजेश खोईवाल, राजेश मीणा ने दीप प्रज्वलित करके रक्तदान शिविर का शुभारंभ करके रक्तवीरों का हौसला बढ़ाया। एचडीएफसी बैंक की तरफ से रक्तदान शिविर में सभी रक्तवीरों को प्रशस्ति पत्र व पानी की बोतल देकर सम्मानित किया। मुकेश मीणा ने इस अवसर पर 25 बार व तीन सगे भाई रामप्रकाश मीणा, हनुमान मीणा, राम लक्ष्मण मीणा ने रक्तदान किया। ब्लड डोनर नर्सिंग ऑफिसर रामलक्ष्मण मीणा ने बताया कि समय-समय पर रक्तवीर थैलेसीमिया व जरूरतमंद मरीजों के लिये रक्त देकर उनकी जान बचा रहे हैं।

तन और मन का मिलन ही योग है : योगाचार्या गीता दीदी

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

योग का अर्थ है जुड़ाव, जुड़ना, जो तन और मन को जोड़ता है, आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है, जीवात्मा का परमात्मा से मिलन हो जाना। योगाचार्य महर्षि पतंजली ने अष्टांग योग की विभावना को 'योगदर्शनम' ग्रंथ में सूत्रों के रूप में प्रस्तुत किया है। गीता दीदी ने बताया कि हमारे ऋषि मुनियों ने योग के द्वारा शरीर, मन और प्राण की शुद्धि तथा परमात्मा की प्राप्ति के लिए आठ अंग बताएँ हैं - यम ,नियम, आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार, धारणा, ध्यान ,समाधि जिसे अष्टांग योग कहते हैं। योग सिर्फ व्यायाम नहीं है।

श्री विनोद-हेमा सोगानी

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(26 नवम्बर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

रविवार को नि:शुल्क हड्डी रोग, जॉइन्ट, जांच शिविर

कुचामन सिटी। महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमाला देवी कमलकुमार पाण्ड्या के सौजन्य से अरिहन्त हेल्थ केयर सेन्टर, राजकीय चिकित्सालय के पास में नि:शुल्क हड्डी, जॉइन्ट, लिगामेंट, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विषेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) द्वारा दिनांक 27 नवम्बर, रविवार को प्रातः 10:00 बजे से 1:00 बजे तक आयोजित किया जा रहा हैं। संस्था सचिव रामअवतार गोयल के अनुसार शिविर संयोजक वीर नरेश झांझरी, वीर तेजकुमार बड़जात्या, वीर सम्पत बगड़िया होगे । शिविर में चिकित्सक के परामर्श पर एक्सरे व खून की जांच नि:शुल्क की जायेगी।शिविर में मरीज अपनी पुरानी जॉच रिपोर्ट साथ लावे, आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, चिरंजीव योजना कार्ड, CGHS, RGHS से इन सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। ये जानकारी वीर अशोक अजमेरा ने दी ।

शाबाश इंडिया के सम्पादक राकेश जैन गोदिका पंडित रतनचंद भारिल्ल पुरस्कार से सम्मानित

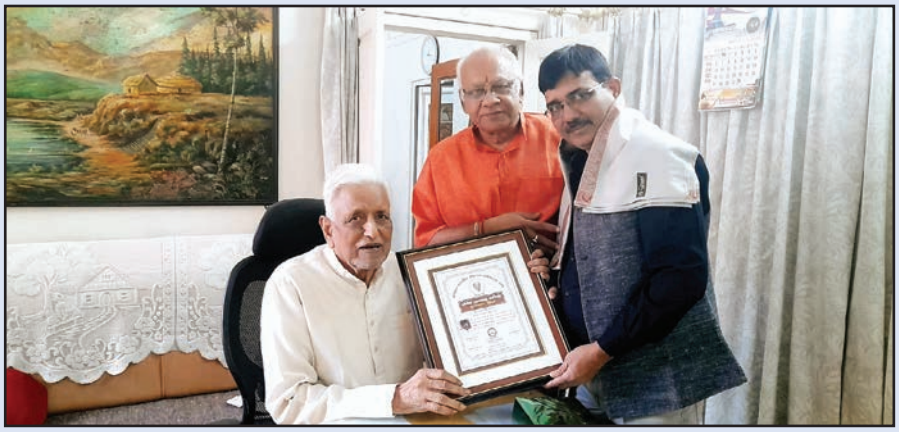

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पंडित रतन चंद भारिल्ल पुरस्कार 2022 से राकेश जैन गोदिका संपादक शाबाश इण्डिया जयपुर को डा. हुकमचंद भारिल्ल के शुभ हस्तों से प्रदान किया गया।इस अवसर पर उपस्थित अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ के महामंत्री डा. अखिल बंसल ने आपका शाल उड़ाकर सम्मान किया। पुरस्कार स्वरूप प्रशस्ति पत्र साहित्य ,श्रीफल, माला, शाल एवं 51 सौ रुपए की राशि भी प्रदान की गई।

जिनवाणी ज्ञान से मोह नष्ट होता है : आचार्य कनकनंदी

भीलूड़ा. शाबाश इंडिया। ज्ञान विज्ञान दिवाकर आचार्य श्री कनक नंदी गुरुदेव ने अंतरराष्ट्रीय वेबीनार में बताया कि संसार, शरीर ,भोग, कर्म आदि से निवृत्ति के लिए जिनवाणी का ज्ञान है। जिनवाणी के ज्ञान से मोह नष्ट होता है। जिनवाणी के ज्ञान से विवेक जागृत होता है। जिनवाणी के ज्ञान से कषायो का मर्दन होता है व मन शांत होता है। जिनवाणी के ज्ञान से तत्व अतत्व, कृत्य अकृत्य, पुण्य पाप का ज्ञान होता है। मानसिक शांति प्राप्त होती है। संयम होता है। आचार्य श्री कहते हैं वह ज्ञान देना चाहिए जिससे सिद्धि मिलती है। शास्त्र दान ज्ञानदान करने वाला तीनों लोकों में धन्य है। जब तक अनंत ज्ञानी नहीं बने तब तक विद्यार्थी बने रहना चाहिए। जिज्ञासा के अभाव में ज्ञानार्जन संभव नहीं है।

जिनेन्द्र शास्त्री को पुरस्कृत किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। अध्यात्म रत्नाकर, सुप्रसिद्ध साहित्यकार पंडित रतनचंद भारिल्ल के 90 वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित सहजता दिवस कार्यक्रम में सर्वोदय अहिंसा ट्रस्ट द्वारा कुशल वक्ता, जिनधर्म प्रचारक पंडित जिनेंद्र शास्त्री को वीतरागी तत्त्वज्ञान के प्रचार - प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने के लिए रतनचंद भारिल्ल पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. हुकमचंद भारिल्ल , डॉ. संजीवकुमार गोधा, परमात्मप्रकाश भारिल्ल , शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल, डा. अखिल बंसल, पीयूष जैन, संजय शास्त्री, श्रीमती नामिता छाबड़ा, आदि महानुभावों के माध्यम से पुरुस्कार प्रदान किया गया। डॉ. शान्तिकुमार पाटिल ने पुरुस्कार की घोषणा एवं उपलब्धियों से सभी को अवगत कराया।

विश्व की सबसे बड़ी स्फटिक मणी की प्रतिमा का पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 30 नवम्बर से 5 दिसंबर तक

इन्दौर. शाबाश इंडिया

विश्व की सबसे बड़ी स्फटिक मणी की प्रतिमा का 6 दिवसीय अरिष्ट नेमिनाथ जिन बिंब पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य एवं पं रतनलालजी शास्त्री के निर्देशन में 30 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक महावीर नगर में श्रीकृष्ण पब्लिक स्कूल के पीछे वाले ग्राउण्ड में सम्पन्न होगा जिसमें विश्व की सबसे बड़ी (51 इंच ऊँची) शांतिनाथ भगवान की स्फटिक मणी की प्रतिमा सहित लगभग 100 अन्य तीर्थकर प्रतिमाओं की विधि विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा होगी । महोत्सव समिति के अध्यक्ष हंसमुख गांधी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रतिष्ठा महोत्सव भव्य एवं ऐतिहासिक और नगर की गरिमा के अनुरूप होगा । इस हेतु 30 हजार फुट का एक पंडाल एवं 25 हजार फुट की एक भोजनशाला का पंडाल बनाया गया है । महोत्सव में प्रतिदिन लगभग तीन हजार समाजजन सम्मिलित होंगे एवं सात सौ इन्द्र इन्द्राणियां एक समाज - जन वेशभूषा में प्रभु की भक्ति आराधना एवं मांगलिक कियाऐं सम्पन्न करेंगे । समस्त मांगलिक कियाऐं प्रतिष्ठाचार्य पं अरविंद कुमार (राजस्थान) सम्पन्न करायेंगे। बीड़ीवाला परिवार के आजाद कुमार स्फटिक मणी मूर्ति प्रदाता अमितकुमार जैन एवं सी ए अशोक ममता खासगीवाला ने बताया कि प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद प्रतिमा को समोशरण मंदिर कंचनबाग में नवीन वेदी पर विराजमान किया जाएगा। प्रचार प्रमुख राजेश जैन दद्दु ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 30 नवंबर को प्रातः 7:30 बजे घटयात्रा से होगा । घट यात्रा जुलुस कनाड़िया रोड़ नए जैन मंदिर से मुनि संघ के सानिध्य में प्रारंभ होकर महोत्सव स्थल महावीर नगर पहुंचेगा । जहां नित नियम पूजन अभिषेक शांतिधारा के पश्चात गर्भ कल्याणक पूर्वार्ध की क्रियाएं सम्पन्न होंगी । प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से मुनिश्री के प्रवचन भी होंगे । 1 दिसम्बर से 5 दिसम्बर तक प्रतिदिन प्रातः 7:30 बजे से नित नियम अभिषेक पूजन शांति धारा के बाद क्रमश : गर्भ , जन्म , तप , ज्ञान कल्याणक एवं 5 दिसम्बर को मोक्ष कल्याणक की कियाएं सम्पन्न होगी। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे एवं राज दरबार लगेगा। समोशरण ग्रुप के सक्रिय युवा साथियों ने बताया कि 2 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे से जन्माभिषेक जुलस महोत्सव पंडाल महावीर नगर से निकलकर गोयल पहुंचेगा जहां पाण्डुक शिला पर बालक नगर जैन मंदिर, बंगाली चौराहा नेमिकुमार का सौधर्म इन्द्र एवं अन्य इन्द्रों द्वारा 1008 कलशों से जन्माभिषेक किया जाएगा। तीन दिसंबर को दोपहर 1 बजे तिलक नगर जैन मंदिर से नेमिकुमार की भव्य बारात पूर्ण लवाजमें के साथ निकाली जाएगी जिसमें चांदी के रथ पर नेमिकुमार दूल्हे के रूप में एवं बग्घियों में कृष्ण, बलराम भगवान के माता पिता, सौधर्म इन्द्र, कुबेर महायज्ञ नायक एवं अन्य पात्र बराती के रूप में सम्मिलित होंगे।

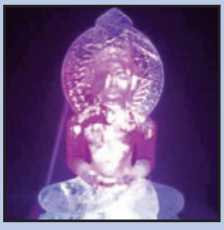

वेद ज्ञान

वाणी अनमोल उपहार...

वाणी जीव को ईश्वर की ओर से मिला हुआ एक अनमोल उपहार है। जन्म-जन्मांतरों के पुण्यफल से वाणी की शुद्धता, महत्व और सदुपयोग की दुर्लभ शक्ति भाग्यवान मनुष्यों को प्राप्त होती है। सद्वाणी मनुष्य के इस दुर्लभ जीवन को धन्य कर देती है और दुर्वाणी इस महत्वपूर्ण जीवन को सदा-सदा के लिए कलंकित कर देती है। मनुष्य को वाणी ईश्वर ने केवल वैचारिक आदान-प्रदान के ही लिए नहीं दी है, बल्कि इसलिए भी दी है कि वह इससे स्वयं और उसके संपर्क में आने वाले व्यक्ति का कल्याण करे और जीवन के प्रति उनकी दृष्टि बदल दे। एक वाणी का उपयोग कर दुख पाता है, जबकि दूसरा इसके उपयोग से दूसरों के दुख दूर करने में सहायक हो जाता है। हमारी वाणी से निकले शब्दों अथवा भाव संबंधी अभिव्यक्तियों को कोई क्षण भर के लिए भी याद नहीं रखना चाहता है, लेकिन नानक, कबीर, रैदास अथवा मीरा की सालों पहले कही गई वाणी को मिटाने, झुठलाने और भुलाने का साहस हममें आज भी नहीं हो सका है। आखिर इसका क्या कारण है? वाणी एक प्रकार की दुर्लभ साधना है लेकिन यह जीवन के लिए साधना बने या अभिशाप, यह निर्भर करता है इसके प्रयोक्ता पर। मनुष्य को वाणी ईश्वर ने दुर्लभ बीज के रूप में संसार को मंत्र रूपी फूलों के वन-उपवन महकाने अथवा मानवता के कल्याण के लिए दी है। पवित्रता के व्रत को धारण करने वाले श्रेष्ठ मानव के मुख से निकला हुआ एक-एक शब्द जीव, जीवन व लोक के कल्याण में रामबाण औषधि का कार्य करता है। शब्द अथवा वाणी का सदुपयोग शक्ति, कल्याण व सकारात्मकता को जन्म देता है, जबकि इसका दुरुपयोग पीड़ा, पश्चाताप, आत्मग्लानि व जीवन में कुंठा, तनाव और ग्रंथि को पनपाता है, जो शारीरिक व मानसिक कई प्रकार की व्याधियों का कारण बनता है। कई लोगों को निरर्थक और बहुत ज्यादा बोलने की आदत होती है। वाणी का दुरुपयोग करने वाले नहीं जानते कि उससे उनकी अपनी ही बौद्धिक शक्ति व चिंतन क्षमता क्षीण होती है। वे अंततः समाज की दृष्टि में ही नहीं, अपनी दृष्टि में भी जीते जी एक दिन में कई-कई बार मर जाते हैं।

संपादकीय

लोकतंत्र पर आम जनता को कितना भरोसा

किसी भी देश के लोकतंत्र का आधार इस बात पर टिका होता है कि वहां चुनाव की प्रक्रिया को कितने निष्पक्ष और स्वच्छ तरीके से संचालित किया जाता है और उस पर आम जनता को कितना भरोसा है। जाहिर है, एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव इस पर निर्भर करता है कि निर्वाचन आयोग और उसका संचालन करने वाले अधिकारी किसी नेता या पार्टी के आभामंडल से प्रभावित हुए बिना कैसे सिर्फ नियम-कायदे के मुताबिक अपना काम करते हैं। लेकिन कई बार चुनावों के दौरान मतदान प्रक्रिया से लेकर नतीजों तक को लेकर पार्टियां जिस तरह से सवाल उठाती हैं, उससे ऐसा संदेश निकलता है कि चुनावों को और ज्यादा विश्वसनीयता का आधार देने की जरूरत है। हालांकि देश के निर्वाचन आयोग ने स्वच्छ चुनाव आयोजित कराने के लिए हर स्तर पर चौकसी बरती और कोशिश की कि नतीजों और प्रक्रिया को लेकर कोई शिकायत न उभरे। लेकिन काम के बोझ और जिम्मेदारियों के विस्तृत दायरे के बीच अगर किसी भी पक्ष की ओर से उठे सवाल विश्वसनीयता को परखे जाने की मांग करते हैं, तो यह इस बात का संकेत है कि ऐसे तंत्र को भरोसे की कसौटी पर खरा साबित किया जाना चाहिए। शायद यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति को लेकर एक अहम टिप्पणी की और एक मजबूत मुख्य चुनाव आयुक्त की जरूरत पर जोर दिया। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि संविधान ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दो अन्य निर्वाचन आयुक्तों के ह्यनाजुक कंधोंह्ण पर बहुत जिम्मेदारियां सौंपी हैं और वह मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर टीएन शेषन की तरह के सुदृढ़ चरित्र वाले व्यक्ति को चाहता है। सच यह है कि पिछले कुछ समय से चुनाव प्रक्रिया जिस तरह संचालित होती रही है, उसे लेकर उठने वाली आशंकाएं इस संस्था की मजबूती और विश्वसनीयता को और मजबूत करने की जरूरत दशार्ती हैं। संविधान और आम नागरिकों के भरोसे के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त को किसी भी राजनीतिक प्रभाव से अछूता माना जाता है, इसलिए उसे स्वतंत्र और स्वायत्त होना चाहिए। इसलिए अदालत ने खासतौर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया को तकलीफदेह करार दिया और कहा कि इसके लिए कोई कानून न होने का फायदा उठाने की प्रवृत्ति ठीक नहीं है। दरअसल, चुनावों के दौरान अलग-अलग मसलों को लेकर विपक्षी दलों की ओर से सवाल उठाए जाते रहे हैं और शिकायतें आयोग को भेजी जाती रही हैं। एक स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र में होना यह चाहिए कि आयोग ऐसी शिकायतों पर बिना किसी आग्रह के स्पष्ट संदेश देने वाली कार्रवाई करे। लेकिन यह तभी संभव है जब आयोग को संचालित करने वाले इसके अधिकारी का व्यक्तित्व सुदृढ़ और मजबूत हो। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

संक्रमण से मौतें

जीवाणुओं के संक्रमण से होने वाली मौतों के मामलों में आज भी भारत की स्थिति कितनी दयनीय है, इसका पता लैंसेट के एक अध्ययन ग्लोबल बर्डन आफ डिजीज स्टडी-2019 से चलता है। इस अध्ययन में यह सामने आया कि वर्ष 2019 में तैंतीस तरह के सामान्य जीवाणुओं के संक्रमण से करीब चौदह लाख लोग मारे गए और इनमें से छह लाख अस्सी हजार लोगों की मौत का कारण सिर्फ पांच तरह के जीवाणुओं के होने वाला संक्रमण था। वैश्विक स्तर पर देखें तो दुनिया में सबसे ज्यादा मौतों का दूसरा बड़ा कारण जीवाणु संक्रमण रहा। यानी वर्ष 2019 में दुनियाभर में सतहत्तर लाख मौतें तैंतीस तरह के जीवाणुओं से हुईं। भारत के संदर्भ में यह कम चिंताजनक स्थिति नहीं है। जिन पांच जीवाणुओं के संक्रमण से लाखों लोग मौत के मुंह में चले गए, उनमें निमोनिया, मूत्र संक्रमण और टायफायड जैसे रोगों के मामले कहीं ज्यादा हैं। आमतौर पर ये बीमारियां हमारे रहन-सहन और खानपान से ही होती हैं। इससे पता चलता है कि स्वास्थ्य, रहन-सहन, खानपान, प्रदूषण, स्वच्छ पेयजल और शौचालयों की उपलब्धता के मोर्चे पर हम कहां खड़े हैं। और फिर ये आंकड़े तो वे हैं जो कहीं न कहीं दर्ज रहे होंगे। भारत के ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में तो ऐसी संक्रामक बीमारियों से न जाने कितनी मौतें हर साल हो जाती हैं, जो सरकारी रिकार्ड में दर्ज भी नहीं हो पातीं! ऐसे अध्ययन और शोध सिर्फ चौंकाते ही नहीं हैं, बल्कि सचेत भी करते हैं कि हमें किस मोर्चे पर क्या काम करना है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि सामान्य संक्रमणों से भी मरने वालों का आंकड़ा कम नहीं है। इससे पता चलता है कि लोगों को मामूली बीमारियों के इलाज भी आसानी से मुहैया नहीं हो पाते हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति आज भी किस हाल में है, यह किसी से छिपा नहीं है। कहने को देश में बड़े-बड़े पांच सितारा और निजी अस्पतालों की भरमार होती जा रही है, लेकिन आबादी के बड़े हिस्से की यहां तक पहुंच ही नहीं है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों के बोझ से लेकर दूसरी अनगिनत समस्याएं हैं। हजारों लोगों पर एक डाक्टर, एक बिस्तर दशकों से चली आ रही समस्या है। अस्पतालों में उपकरणों और दवाइयों की भारी कमी हमेशा की बीमारी है। जिला अस्पतालों से लेकर ग्रामीण इलाकों में बने प्राथमिक और सामुदायिक चिकित्सा केंद्रों की हालत कौन नहीं जानता। यह भी जगजाहिर है ही कि चिकित्सा सेवा का कर्म किस तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा चुका है। जाहिर है, ऐसे में सामान्य संक्रमण से भी लोग मरेंगे ही! संक्रामक रोग फैलाने वाले जीवाणुओं के पनपने और फैलने का बड़ा कारण स्वच्छता से भी जुड़ा है। भारत के ज्यादातर शहरों में सीवर समस्या से लेकर कूड़े के पहाड़ तक गंभीर संकट का कारण बने हुए हैं। घरों में नलों के जरिए पहुंचाए जाने वाले पानी में सीवर लाइनों का पानी और कीड़े मिलने जैसी शिकायतें इतनी आम हैं कि स्थानीय निकाय और प्रशासन इन्हें समस्या के रूप में देखते ही नहीं। देश की राजधानी दिल्ली में तीन बड़े कूड़े के पहाड़ करीब चार दशकों से खड़े हैं, जो समय-समय पर धधकते रहते हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि लाखों लोग किस तरह के प्रदूषण में रहने को मजबूर हैं। ऐसे में बीमारियां नहीं फैलेंगी तो क्या होगा? अगर सामान्य जीवाणुओं के संक्रमण से लाखों लोग मर रहे हैं तो निश्चित ही इसके लिए जिम्मेदार हमारे नीति-नियंता और दोषपूर्ण नीतियां हैं।

जन्माभिषेक शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

सुमेरु पर्वत पर 1008 कलशों से हुए तीर्थंकर बालक के जन्माभिषेक, शनिवार 26 नवम्बर को मनायेंगे तप कल्याणक महोत्सव, होगी तप कल्याणक की क्रियाएं. रविवार, 27 नवम्बर से शुरु होगा टीले से निकली भगवान महावीर की प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक

जयपुर/श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

21 वीं सदी के भगवान महावीर के प्रथम महामस्तकाभिषेक महोत्सव के अन्तर्गत गुरुवार से शुरू हुए पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में शुक्रवार को जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर जन्माभिषेक शोभा यात्रा निकाली गई एवं सुमेरु पर्वत पर तीर्थंकर बालक के 1008कलशों से इन्द्रों द्वारा जन्माभिषेक किए गए। शनिवार को तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। रविवार 27 नवम्बर से टीले से निकली भगवान महावीर की अतिशयकारी प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक महोत्सव शुरू होगा। जन्म कल्याणक महोत्सव के मौके पर प्रातः 11 बजे मुख्य पाण्डाल से विशाल जन्माभिषेक शोभा यात्रा जुलूस निकाला गया। जिसमें सबसे आगे घोड़े पर पचरंगा ध्वज लिए बालक, जिनवाणी का ऐरावत हाथी, धर्म चक्र, जयपुर से आया भगवान महावीर का 2550 वा निर्वाणोत्सव का रथ सहित 5 बैण्ड, 9बग्घियां, 11हाथी जिनपर इन्द्र -इन्द्राणी विराजमान थे, ऊंट, घोड़े, ऊटगाडियां, एवं सैकड़ों श्रद्धालु शामिल थे। शोभा यात्रा मुख्य बाजार से होती हुई प्राकृतिक चिकित्सालय होते हुए मुख्य पाण्डाल स्थित सुमेरु पर्वत पहुंची जहां मंत्रोच्चार के साथ तीर्थंकर बालक के 1008 कलशों से जन्माभिषेक किए गए। प्रथम अभिषेक सौधर्म इन्द्र -इन्द्राणि रोहन-अमिता कटारिया द्वारा किए गए। तत्पश्चात बोलियों के माध्यम से तीर्थंकर बालक के श्रद्धालुओं ने जन्माभिषेक किए। इससे पूर्व प्रातः रानी त्रिशला के महल में तीर्थंकर बालक का जन्म हुआ। सौधर्म इन्द्र-इन्द्राणि द्वारा धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया गया। शचि इन्द्रानी द्वारा तीर्थंकर बालक के स्थान पर मायावी बालक को माता त्रिशला के पास सुलाकर जन्में

तीर्थंकर बालक को सौधर्म इन्द्र के साथ जन्माभिषेक हेतु विशाल जुलूस के रुप में सुमेरु पर्वत ले जाया गया। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने प्रवचन देते हुए शास्त्रों में उल्लेखित तीर्थंकर बालक के जन्मोत्सव को विस्तार से बताया। धर्म सभा में अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, उपाध्यक्ष शांति कुमार जैन, सी पी जैन, महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, कार्याध्यक्ष विवेक काला, कोषाध्यक्ष उमरावमल संघी, मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन जौहरी, संयोजक सुरेश सबलावत, राकेश सेठी, देवेन्द्र अजमेरा, भारत भूषण जैन सहित बड़ी संख्या में कमेटी सदस्य एवं गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। महोत्सव के प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दोपहर 2.30 बजे से इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा संगीतमय जन्म कल्याणक पूजा की गई। पूजा के बाद हवन किया गया। सायंकाल इन्द्र-इन्द्राणियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा संगीत पर झूमते, नाचते गाते श्री जी की महाआरती की गई। तत्पश्चात आयोजित शास्त्र सभा में पं.हसमुंख जैन धरियावद वालों द्वारा धर्म की बातें बताई गई। रात्रि में तीर्थंकर बालक के पालना महोत्सव में इन्द्र -इन्द्राणियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा तीर्थंकर बालक को झुलाया गया। रात्रि में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज के जीवन पर आधारित

नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। जिसमें आचार्य श्री के जन्म से लेकर अब तक की सारी जानकारियां मनोरम दृश्यों के माध्यम से बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रस्तुत की गई। प्रबंधकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अन्तर्गत गठित भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि 24 से 28 नवम्बर तक आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान महावीर की 24 फीट ऊंची खडगासन प्रतिमा सहित परिकरयुक्त चौबीसी एवं कमल मंदिर की नवग्रह अरिष्ट निवारक जिनालय प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा होगी। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष राज कुमार कोठ्यारी के मुताबिक शनिवार,26 नवम्बर को तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा जिसमें प्रातः 6.30 बजे से ध्यान एवं आशीर्वाद सभा के बाद श्री जिनाभिषेक एवं नित्यार्चना होगी। तीर्थंकर बालक की बाल क्रीड़ा के बाद प्रातः 9.00 बजे धर्म सभा में आचार्य वर्धमान सागर महाराज के मंगल आशीर्वचन होंगे। प्रातः 10.00 बजे चक्रवर्ती की षटखण्ड दिग्विजय यात्रा निकलेगी। दोपहर 1.00बजे तीर्थंकर राजकुमार का राज्याभिषेक होगा। वैराग्य दर्शन के बाद तीर्थंकर राजकुमार का गृह त्याग, दीक्षा विधि, संस्कार तप कल्याणक पूजा एवं हवन होगा। सायंकाल आरती महोत्सव के बाद शास्त्र सभा होगी। रात्रि 8.00 बजे से रुपेश जैन एण्ड पार्टी इन्दौर द्वारा भक्ति संध्या में भजनों की गंगा बहाई जाएगी। रविवार,27 नवम्बर को केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव तथा सोमवार,28 नवम्बर को मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। पूणार्हुति के बाद नवीन वेदी में भगवान को विराजमान करेंगे। महोत्सव समिति के महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी के मुताबिक मोक्ष कल्याणक के बाद दोपहर में भगवान महावीर की खडगाहन प्रतिमा एवं चौबीसी प्रतिमाओं का मस्तकाभिषेक होगा। यात्री निवास के सामने भगवान महावीर एवं क्षेत्र के विकास पर प्रदर्शनी लगाई गई है। राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का पूरा सहयोग महोत्सव एवं श्री महावीर जी के विकास में मिला है।

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संघ का निवाई से गांव गुन्सी की ओर मंगल विहार

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में शुक्रवार को आर्यिका विज्ञा श्री माताजी ससंघ का मंगल विहार श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर निवाई से गांव गुन्सी के लिए हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आर्यिका माताजी संध सहित निवाई से गाँव गुन्सी के लिए पद विहार हुआ। माताजी संध शांतिनाथ अग्रवाल जैन मंदिर से विहार कर अहिंसा सर्किल संत निवास नसियां मंदिर दर्शन करके मुंडिया गांव पहुंचे जहाँ आहार चर्या के बाद विश्राम किया ।सायंकाल आरती गुरुभक्ति का कार्यक्रम किया गया। जौंला ने बताया कि आर्यिका संध शनिवार सुबह गांव गुन्सी विज्ञा तीर्थ पर मंगल प्रवेश करेगी। विहार से पूर्व मंदिर प्रांगण पर आर्यिका संध ने धर्म सभा को सम्बोधित किया। विहार में समाज के लोग मौजूद थे।

जैनेश्वरी दीक्षा धारण करना ही अंतिम लक्ष्य : अनीता दीदी

टीकमगढ़ में 14 दिसम्बर को होंगी जैनेश्वरी दीक्षाएं

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। जैन कुल में जन्म लेने के वाद जैनेश्वरी दीक्षा लेना ही श्रावक का अंतिम लक्ष्य होता है और सही भी है क्योंकि इस असार संसार में जैनेश्वरी दीक्षा लेने वाले ही भव से पार होते है। दीक्षार्थी दीदीयों की गोद भराई कार्यक्रम में अनीता दीदी (ज्ञानतीर्थ) ने साधर्मी बन्धुओं को सम्बोधित करते हुए कही। संघस्थ ब्र.राहुल भैया जी ने बताया कि दिगम्बराचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज द्वारा 14 दिसम्बर को टीकमगढ़ में 4 जैनेश्वरी दीक्षाएं प्रदान की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणाचार्य विरागसागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य बाककेशरी आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज 14 दिसम्बर को राजेन्द्र गार्डन टीकमगढ़ में 4 जैनेश्वरी दीक्षाएं प्रदान करेगें । जिनमें 2 क्षुल्लक एवं 2 क्षुल्लिकाओ को दीक्षा दी जाएगी। क्षुल्लिका दीक्षा लेने जा रहीं मुरेना

की श्रीमती रश्मि जैन का जन्म राजस्थान के मनियां नगर में जैसवाल जैन परिवार के श्रावक श्रेष्ठि सुमतिचन्द जैन, श्रीमती अंगूरी जैन (दुलारे वाले) के परिवार में हुआ था ।आपकी शादी मुरेना नगर के वरिष्ठ समाजसेवी श्री पदमचंद जैन ₹गैंदालाल₹ (चैटा वाले) के साथ हुई थी । आप प्रारंभ से ही धर्म परायण महिला के रूप में जानी जाती रही हैं । आपके तीन पुत्र गौरव, ललित, दिवाकर जैन, तीन पुत्र बधुओं, नातियों सहित भरा पूरा परिवार है।

वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल के दुसरे संस्करण का आयोजन 17-18 दिसंबर को जयपुर के ईपी में

हेल्थ और वेलनेस के हर आयाम पर होगी चर्चा

पहली लिस्ट में आचार्य लोकेश मुनि, ग्लोबल लीडिंग होलिस्टिक हेल्थ गुरु मिक्की मेहता, मैनेजमेंट गुरु एन रघुरामन, अमित वाजपेयी, योग गुरु ढाकाराम के नाम। डॉक्टर सुधीर भंडारी होंगे फेस्टिवल के मुख्य संरक्षक

जयपुर. शाबाश इंडिया

हेल्थ और वेलनेस के बारे में एक होलिस्टिक विचार के साथ शुरू हुए भारत के एकमात्र और बहु प्रतीक्षित वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल का मंच एक बार फिर सजने के लिए पूरी तरह तैयार है ।इस बार यह फेस्टिवल 17-18 दिसंबर 2022 को जयपुर के ईपी में आयोजित किया जायेगा जिसमे हेल्थ वेलनेस के अलग-अलग आयाम की चर्चा होगी। संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा और आयोजन समिति के चेयरमेन अमित अग्रवाल ने वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल के दुसरे संस्करण के स्पीकर्स की पहली लिस्ट जारी करते हुए आयोजन समिति का भी गठन किया। फेस्टिवल के प्रमुख वक्ताओं के तौर पर पहली लिस्ट में दिग्गज समाज सुधारक और आध्यात्मिक गुरु और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक, एचएच आचार्य डॉ. लोकेश मुनि, ग्लोबल लीडिंग होलिस्टिक हेल्थ गुरु मिक्की मेहता, दैनिक भास्कर में मेनेजमेंट फंडा के लेखक मैनेजमेंट गुरु एन रघुरामन, राजस्थान पत्रिका के राज्य संपादक अमित वाजपेयी , योग गुरु ढाकाराम के नाम जारी करते हुए राजस्थान के चिकित्सा जगत के पितामह डॉक्टर सुधीर भंडारी को फेस्टिवल का मुख्य संरक्षक बनाने की घोषणा की । जेइसीआरसी यूनिवर्सिटी के निदेशक और आयोजन समिति के चेयरमेन अमित अग्रवाल, सह-संस्थापक, वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल नरिशंत शर्मा और मुकेश मिश्रा ने बताया

कि, **WHWF** में देश और दुनिया के प्रमुख लोग एक जगह आकर आपने विचार साझा करते हुए लोगो को सही दिशा में लेकर जाएंगे। वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य हेल्थ और वेलनेस को बढ़ावा देना है जिसमे समग्र जीवन के विस्तार, आध्यात्मिक शांति और एक लम्बे जीवन के राज के बारे में बात करना है।इस दो दिवसीय फेस्ट को ''ब्रेकआउट सत्रों'' की एक शृंखला के माध्यिम से प्रस्तुत किया जाएगा जिसमें विभिन्न देशों के वक्ताओं और पैनलिस्टों के साथ-साथ, दुनिया भर के 20 से अधिक देशों के अतिथियों सहित, प्रमुख मार्केटर और भागीदार शामिल होंगे।

WHWF में देश और दुनिया के प्रमुख लोग एक जगह आकर आपने विचार साझा करते हुए लोगो को सही दिशा में लेकर जाएंगे...

अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी मे आर्यिका श्री शीलमति जी का यम सल्लेखना के बाद हुआ समाधि मरण

श्री महावीर जी/सीकर. शाबाश इंडिया

शुक्रवार 25 नवंबर को महावीर जी में आर्यिका श्री शील मति जी का यम सल्लेखना पूर्वक 12 वे उपवास के बाद आज समाधि हो गई है आपने 14 नवंबर को यम सल्लेखना ली। एक नवंबर से 25 नवंबर तक 25 उपवास में मात्र 3 दिन केवल जल लिया। क्षपकोत्तमा आर्यिका श्री शील मति जी की विमान यात्रा(डोल यात्रा) 26 नवंबर 2022 को प्रातः 7:15 बजे श्रीमहावीर जी मे निकाली जाएगी। **जीवन परिचय:** सीकर जैन समाज से प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि श्रीमती मोहरी देवी श्री खेतूलाल जी सेठी मोचीवाडा की पुत्री श्री भगवानी देवी का विवाह श्री जिनेन्द्र जी जयपुरिया सीकर से हुआ। आपके एक पुत्र ज्ञानचंद जयपुरिया है जो सीकर में रह रहे है , इसके अलावा इनकी दो पुत्रियां हैं जिसमे बड़ी पुत्री एवं दामाद ने वर्ष 2015 में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी से क्रमश आर्यिका एवम्-क्षुल्लक दीक्षा लेकर आर्यिका श्री विचक्षण मति जी एवम्-क्षुल्लक श्री विशाल सागर जी बने। 75 वर्षीय श्रीमती भगवानी देवी ने 4 अगस्त 22 को महावीर जी में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी से क्षुल्लिका दीक्षा ली, दीक्षा उपरांत आपका नाम क्षुल्लिका श्री शीलमति जी हुआ। आपने आचार्य श्री से पुनः निवेदन कर 2 नवंबर 2022 को आर्यिका दीक्षा अंगीकार की। आपने 14 नवंबर को यम सल्लेखना लेकर चारो प्रकार के आहार का त्याग किया था।

दिगंबर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग, जयपुर इकाई -16 के चुनाव संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग, जयपुर इकाई -16 (राधा निकुंज) के चुनाव संपन्न हुए जिसमें निर्विरोध तरुण कुमार जैन शाह को अध्यक्ष चुना गया। चुनाव अधिकारी सी के शाह ने तरुण शाह को अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने जाने की घोषणा की। दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री महावीर कुमार बाकलीवाल, दिगंबर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग जयपुर के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार शाह, मंत्री निर्मल कुमार जैन शाह, दिगंबर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग, जयपुर इकाई - 16 (राधा निकुंज) के पूर्व अध्यक्ष कमलेश जैन, मंत्री ल सुनील जैन बांसखो एवं पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, राधा निकुंज की समिति के मंत्री विजय कुमार जैन पांड्या की उपस्थिति में चुनाव कार्यक्रम संपन्न हुआ। सभी ने नवनियुक्त अध्यक्ष तरुण कुमार जैन शाह को माला पहनाकर बहुत-बहुत बधाई दी।

दीक्षा लेना विशिष्ट भावना का द्योतकः मुनि श्री उदित कुमार जी

मुमुक्षु दक्ष नखत का मंगल भावना समारोह हुआ आयोजित

सुरत. शाबाश इंडिया

इस संसार मे जहां चारो और होड़ सी लगी हुई है। दीक्षा लेने की भावना अपने आप मे विशिष्ट होती है। चहुं और ऐश्वर्य, भौतिक सुख सम्पदा का अंबार सा लगा हुआ है ऐसे दौर में और वो भी किशोर अवस्था मे दीक्षा के भाव जगे तो यह हर दृष्टि से अद्वितीय है, श्रावक के तीन मनोरथ होते हैं उसमें से एक है मैं कब घर गृहस्थी से मुक्त हो पाऊंगा? दीक्षा की भावना होना विशिष्ट है, मुमुक्षु दक्ष नखत अपने संसार पक्षीय दादाजी अतार्थ युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी से प्रेरणा पाकर इसी राह पर अग्रसर होने जा रहा है जो कि प्रेरक व सराहनीय है। यह उद्गार आचार्य श्री महाश्रमण जी के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री उदित कुमार जी ने शुक्रवार को सेलिब्रिटी ग्रीन रेजिडेंशियल सोसायटी में प्रातःकालीन व्यख्यान के अंतर्गत प्रकट किए। मुनि श्री 14 वर्षीय मुमुक्षु दक्ष नखत के मंगल भावना समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। मुनि श्री ने कहा कि सबसे श्रेष्ठ मार्ग साधुत्व का है, इस जन्म में नही तो अगले जन्म में ऐसा अवसर आना ही है। दीक्षा का चिंतन पुण्य के उदय से नही बल्कि कर्म के क्षयोत्सम से उभर पाता है। मुनि श्री ने आगे फरमाया कि जब हमने दीक्षा ली तब न तो मोबाइल था और ना ही टी वी था, घरों में सामान्यतया रेडियो मिलते थे। दीक्षा की भावना हमेशा रही है और रहेगी भी, हाँ दीक्षा की भावना कम रह सकती है। गरूदेव तुलसी के युग मे एक बार सन्तो की संख्या बढ़ कर 193 तक पहुंच गई थी, यह क्रम चलता रहता है। दीक्षा के भाव मन मे जग जाना भी श्रेष्ठ उदाहरण है। एक परिवार में जब तीन व्यक्ति दीक्षित होते है तो उस परिवार को पूज्यवर द्वारा महादानी की उपाधि प्रदान की जाती है। दीक्षा लेना विशिष्ट भावना का द्योतक है। आप लोग सोच रहे है कि दीक्षा लेने वाले धन्य है, लेकिन आप भी धन्य हो सकते है लेकिन यह भावना जगना भी बड़ी बात है। एक जमाना था कि दीक्षा लेने हेतु बहुत पापड़ बेलने पड़ते थे। मेवाड़ के सन्त मुनि श्री चुन्नीलाल जी, उन्होंने बहुत कष्ट सहे, मेवाड़ में आसानी से दीक्षा की अनुमति नही मिल पाती थी, इस तरह के उदाहरणों हेतु साध्वी श्री सरदारा जी का व्रत भी पढ़े। मुनि श्री ने विदासर की एक दीक्षा का भी उल्लेख किया कि किन कारणों से विदासर में होने वाली दीक्षा लाडनू में हो पाई। ऐसे न जाने कितने कितने प्रसंग हमारे धर्म संघ में उपस्थित हुए। मुनि श्री ने कहा कि दीक्षा की आज्ञा मिलने में कई बार कठिनाई पैदा हो जाती है। दक्ष ने बहुत हिम्मत का परिचय दिया। मुनि श्री ने प्रवचन सभा मे आह्वान किया कि किसी के मन मे अगर दीक्षा की भावना। प्रबल होती दिख रही है तो आचार्य प्रवर सूरत पधार ही रहे है, ये उल्लेखनीय है कि दक्ष नखत की दीक्षा आचार्य प्रवर के जनवरी में सिरियारी में प्रवास के दौरान होगी, मुनि श्री ने दक्ष को सम्बोधित करते हुए कहा कि तुम दादोसा के सान्निध्य में पहुंच रहे हो, साधु बन कर साधुता के अनुरूप तुम्हारा चारित्र दिन प्रतिदिन विकसित हो, अमूल्य चारित्र के उज्वल बने, अपना अच्छा विकास करें, अच्छा निर्णय लिया है यही हमारी मंगल कामना है। इस अवसर पर कल्पना संकलेचा ने दीक्षा सम्बन्धी गीत प्रस्तुत किया, मुमुक्षु का तेरापंथ सभा सूरत के उपाध्यक्ष श्री ख्याली लाल सिसोदिया, तेरापन्थ महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती राखी बैद, तेरापन्थ युवक परिषद अध्यक्ष श्री अमित सेठिया ने मुमुक्षु दक्ष नखत का अभिनंदन किया। मंगल भावना समारोह का संचालन तेरापन्थ सभा के मंत्री अनुराग कोठारी ने किया। उल्लेखनीय है मुनि श्री के सान्निध्य में सेलिब्रटी ग्रीन सोसायटी में रविवार 27 नवम्बर को मंगल भावना समारोह आयोजित होगा।

आचार्य श्री सुनील सागर जी ने कहा...

आचार्य आदिसागर अंकलीकर का जीवन हम सभी के लिए है प्रेरणास्त्रोत

जयपुर. शाबाश इंडिया

अरावली पर्वत श्रृंखला में अचरोल ग्राम में स्थितश्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम में शुक्रवार को तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्य 108 सुनील सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आचार्य श्री आदिसागर अंकलीकर का 109 वां दीक्षा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। महोत्सव के दौरान हुए धार्मिक आयोजनों में गूंज रही भजनों की स्वर लहरियों से अचरोल गांव गूंजता रहा। सुबह धर्मसभा से पूर्व खंडाका परिवार की ओर से समाज श्रेष्ठी नेम प्रकाश खंडाका,देव प्रकाश खंडाका व संत कुमार खंडाका व उनके परिजनों सहित महानुभावों ने दीप प्रज्वलन कर, पूवार्चार्यों के चित्र का अनावरण किया । भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ रक्षा कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिखर चंद पहाड़िया तथा अंकली कर युवा जागृति मंच के राष्ट्रीय महामंत्री कमल कासलीवाल एवं न्यायाधिपथी वी के चांदीवाला ने धर्मसभा में पहुंच कर आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं आचार्य आदिसागर अंकलीकर गुरू महाराज को विनयांजलि अर्पित की। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया आचार्य देशभूषण जी महाराज आचार्य सन्मति सागर जी महाराज एवं वृषभसेना माता जी की प्रतिमा आज देशभूषण आश्रम में आचार्य गुरुदेव की पावन निश्रा में स्थापित की गई। आचार्य श्री ने श्रावकों को धर्मसभा में संबोधित करते हुए कहा कि आचार्य श्री आदिसागर जी महाराज का 109 वां दीक्षा दिवस का यह पावन दिवस हम सभी के लिए अनुकरणीय दिवस है,इस पावन दिवस पर हम सभी को आचार्यश्री के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। ज्ञानवान,तपस्या की मूर्ति कहे जाने आचार्यश्री का जीवन प्रेरणा स्त्रोत हम सभी को अध्यात्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आचार्यश्री ने अपने ज्ञान के बल पर जैन धर्म की पताका को फहराया। इस पावन दिवस पर हम सभी को आचार्यश्री के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। आचार्यश्री ने आगे कहा कि तपस्वी सम्राट आचार्य आदिसागर अंकलीकर महाराज का जीवन हम सभी को ज्ञानवान व संयम के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है, इस पावन दिवस को मनाना तभी सार्थक होगा,जब हम आचार्यश्री के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को धर्म के मार्ग में लगाकर इस मनुष्य भव को सफल बनाएं।

बिजली की समस्या को लेकर धरना प्रदर्शन

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे के नावां रोड स्थित बिजली ग्रेड के सामने बिजली समस्या को लेकर किसानों द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया। मिली जानकारी अनुसार बिजली विभाग द्वारा किसानों को दी जा रही रात में बिजली को दिन में देने की मांग कई दिनों से की जा रही हैं इसके लिए कई बार ज्ञापन भी दिया जा चुका है। अब तक कोई समाधान नहीं होने से सैकड़ों आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने भी सहयोग किया। वहीं भादवा सरपंच प्रतिनिधि सीएम डोगीवाल ने जल्द ही समस्या का समाधान नहीं होने पर नावां जयपुर रोड़ जाम करके की चेतावनी दी। भैंसलाना सरपंच प्रतिनिधि अनंत ऐचरा ने कहा किसानों की मांग उचित है। इसके लिए भैंसलाना सरपंच कमला चौधरी द्वारा पहले भी ज्ञापन दिया था। बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों ने जल्द ही समाधान की बात कही है। इस दौरान जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस चौकी इंचार्ज जगफूल चौधरी और सहायक अभियन्ता रेनवाल आशीष लाटा द्वारा धरना दे रहे ग्रामीणों से समझाइश की ओर उनकी समस्या को उच्च अधिकारियों को अवगत करा समाधान करने की बात कही। इस दौरान पूर्व सरपंच भीवाराम जाखड़, दीपक पुजारी, हीरालाल बिजारनिया सहित सैकड़ों किसान और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

तीये की बैठक

हमारे प्रिय कंवर साहब

श्री रामस्वरुप जी पुत्र स्व. श्री किशोरी लाल जी गोधा

का आकस्मिक स्वर्गवास

दिनांक 25/11 /2022 को हो गया है

जिनके **तीये की बैठक 27/11/2022** को प्रातः 9. 30 बजे पारस विहार, मुहाना मंड़ी के 3 नम्बर गेट से अंदर प्रथम सकिल के पश्चिम दिशा में स्थित चिंतामणी पार्श्वनाथ जैन मंदिर में होगी।

शोकाकुल

सुभाष, पवन-सरोज, अनिल-आशा (साले-सलज) अभिषेक-क्षिप्रा, प्रतीक-रुचि, अनुज-भूमिका (भतीजे-भतीजे बहु) रूचि-विक्रम, नीतु-अकिंत, निधी-रोहित (भतीजी-भतीजी दामाद) शान्ता, कान्ता-टीकम सेठी, उमेश पाटोदी (साली - साडू) एवं समस्त गोदिका परिवार ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com